अधिकतम तापमान 28.00° >> न्यूनतम तापमान 21.00° >> सूर्योदय 6:09 >> सूर्यास्त 18:07 >> डॉलर 79.49 >> यूरो

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-06, अंक-352 | बुधवार, 19 अक्टूबर 2022 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

देवरिया में नन्हीं बालिका सूबे की सबसे सुरक्षित गोद में

डॉ इंद्रमणि को भेंट की गयी इलस्ट्रेटिस एलुमनाई आफ सीएसए नामक पुस्तिका

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। राजभवन में कुलाधिपति एवं राजपाल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश के 11 विश्वविद्यालयों जिसमें प्रमुख रुप से सीएसए, सीएसजेएम कानपुर, गोरखपुर, झांसी, लखनऊ, मेरठ आदि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ ही 15 देशों के राजदूतों जिसमें आयरलैंड, बोत्सवाना, हालैंड, कजाकिस्तान, साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड, बहरीन, भूटान, नेपाल, स्विट्जरलैंड, साउथ कोरिया के साथ इन विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार , फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम, कंसलटेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर साइन हेतु विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने 15 देशों में विभिन्न क्षेत्रों मुक्ता फैकल्टी छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रम प्रोग्राम पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इसमें सबसे आकर्षण का बिंदु सीएसए के लिए विश्वविद्यालय के एलुमनाई पूर्व-छात्र डॉक्टर इंद्रमणि पांडे जो संयुक्त राष्ट्र संघ जिनेवा में पदस्थापित हैं। उनसे भी विश्वविद्यालय की प्रगति एवं अन्य क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर कुलपति ने इलस्ट्रैटिस एलुमनाई आफ सीएसए नामक पुस्तिका भेंट की।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों को निर्देश दिए की इस कार्यक्रम में पधारे सभी राजदूतों से विश्वविद्यालय के अनुबंध पत्रों पर प्रक्रिया एवं विभिन्न क्षेत्रों के चयन हेतु ईमेल और मोबाइल द्वारा संपर्क में रहेंगे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:242 | देहरादून, मंगलवार, 18 अक्टूबर, 2022 | पृष्ठ:08

फसल अवशेष प्रबंधन को चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

अनिल मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम नेहरू इंटर कॉलेज गजनेर कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ जिसमें डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है उन्होंने छात्र–छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।

उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है जोकि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र कुमार, सुशील कुमार सचान, रविन्द्र सिंह एवं ज्ञानेंद्र यादव सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 19/10/2022

सीएसए के पूर्व छात्र व जेनेवा में राजदूत को दी किताब

कानपुर : विश्वविद्यालय की शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार पर हस्ताक्षर के लिए प्रदेश के 11 विश्वविद्यालयों के कुलपति व 15 देशों के राजदूतों ने विमर्श किया। राजभवन में सीएसए के कुलपति डा. डीआर सिंह ने सीएसए के पूर्व छात्र व संयुक्त राष्ट्र संघ जेनेवा में राजदूत डा. इंद्रमणि पांडेय को किताब भेंट की। (वि.)

रिसर्च के साथ फैकल्टी व छात्र एक्सचेंज को लेकर मंथन

सीएसए के कुलपति ने पूर्व छात्र डा. इंद्रमणि पांडे को भेंट की पुस्तिका

कानपुर, 18 अक्टूबर। राजभवन में राजपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश के 11 विश्वविद्यालयों से सीएसए, सीएसजेएम कानपुर, गोरखपुर, झांसी, लखनऊ, मेरठ आदि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ ही 15 देशों के राजदूतों में आयरलैंड, बोत्सवाना, ह्यलैंड, कजाकिस्तान,साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड, बहरीन, भूटान, नेपाल, स्विट्जरलैंड, साउथ कोरिया के साथ इन विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार , फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम, कंसलटेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर साइन के लिए विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने 15 देशों में विभिन्न क्षेत्रों मुक्ता फैकल्टी छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रम प्रोग्राम पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इसमें सबसे आकर्षण का बिंदु सीएसए के लिए विश्वविद्यालय के एलुमनाई पूर्व छात्र डॉ इंद्रमणि पांडे जो संयुक्त राष्ट्र संघ जिनेवा में पदस्थापित हैं। उनसे भी विश्वविद्यालय की प्रगति एवं अन्य क्षेत्रों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर कुलपति ने इलस्ट्रैटिस एलुमनाई आफ सीएसए नामक पुस्तिका भेंट की। मीटिंग में कुलाधिपति ने सभी विवि के कुलपतियों को निर्देश दिए की इस कार्यक्रम में पधारे सभी राजदूतों से विश्वविद्यालय के अनुबंध पत्रों पर प्रक्रिया एवं विभिन्न क्षेत्रों के चयन हेतु ईमेल और मोबाइल द्वारा संपर्क में रहेंगे, जिससे हमारे प्रदेश के विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने में मदद मिल सकेगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ विजय सिंह यादव ने भी प्रतिभाग किया।

पूर्व छात्र इंद्रमणि पांडेय को पुस्तक भेंट करते सीएसए कुलपति।

● राजभवन में राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलपतियों व राजदूतों के साथ हुई मीटिंग

फसल अवशेष प्रबंधन को चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेहरू इंटर कॉलेज गजनेर कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र कुमार, सुशील कुमार सचान, रविन्द्र सिंह एवं ज्ञानेंद्र यादव सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

अमर उजाला 19/10/2022

राज्यपाल को भेंट की पुस्तिका

कानपुर। राजभवन लखनऊ में मंगलवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की अध्यक्षता में सीएसए, सीएसजेएमयू, गोरखपुर, झांसी, लखनऊ, मेरठ समेत 11 विवि के कुलपतियों और 15 देशों के राजदूतों के साथ चर्चा हुई। शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज, कंसल्टेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर विचार किया गया। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने डिग्री पाठ्यक्रम प्रोग्राम पर चर्चा की। कुलपति ने इलस्ट्रैटिस एलुमनी ऑफ सीएसए नामक पुस्तिका राज्यपाल को भेंट की। (संवाद)

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

अपना काम छोड़ राजनीति कर रहे जज... 12

गंगा में नाव पलटी, 11 बचाए गए, पांच लापता 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 10
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 19 अक्टूबर, 2022

11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 15 देशों के राजदूतों की राजभवन में कुलाधिपति की अध्यक्षता में हुई बैठक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश के 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और 15 देशों के राजदूतों की मंगलवार को राजभवन में कुलाधिपति की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम, कंसलटेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर हस्ताक्षर के लिए विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सीएसए के कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने

15 देशों में विभिन्न क्षेत्रों मुक्ता फैकल्टी, छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम और विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रम प्रोग्राम पर चर्चा की। कुलपति द्वारा सीएसए के लिए विश्वविद्यालय के एलुमनाई पूर्व-छात्र डॉक्टर इंद्रमणि पांडे इलस्ट्रैटिस एलुमनाई आफ सीएसए नामक पुस्तिका भेंट की गई। कार्यक्रम में कुलाधिपति ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को आए हुए सभी राजदूतों से विश्वविद्यालय के अनुबंध पत्रों पर प्रक्रिया एवं विभिन्न क्षेत्रों के चयन के लिए ईमेल और मोबाइल द्वारा संपर्क में रहने के लिए निर्देशित किया। जिससे प्रदेश के विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने में मदद मिल सकेगी।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

मंगलवार 18 अक्टूबर 2022 | अंक - 275

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

फसल अवशेष प्रबंधन को चलाया स्कूल स्तरीय जागरूकता अभियान

कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा आज फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेहरू इंटर कॉलेज गजनेर कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 135 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र कुमार, सुशील कुमार सचान, रविन्द्र सिंह एवं ज्ञानेंद्र यादव सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 19 अक्टूबर • 2022

क्षिक विकास पर हुई 15 देशों के राजदूतों से वार्ता

ुर (एसएनबी)। कुलाधिपति व ाल आनंदीबेन पटेल की पहल पर ' शैक्षिक संस्थानों के साथ शिक्षक-के एक्सचेंज को लेकर मंगलवार को ए सहित 11 विश्वविद्यालयों के तियों की राजभवन में 15 देशों के ों के साथ वार्ता हुई। बैठक में तियों ने संबंधित राजदूतों के साथ ' शैक्षिक संस्थानों के साथ परस्पर ; सहयोग व शिक्षक-छात्रों के आदान-र मंथन के साथ ही एमओयू को लेकर -विमर्श किया गया।

ठक में सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी सीएसजेएमयू, गोरखपुर, झांसी, ऊ, मेरठ आदि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ ही 15 देशों के राजदूत शामिल हुए। विदेशी राजदूतों में आयरलैंड, बोत्सवाना, हालैंड, कजाकिस्तान, साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड , बहरीन, भूटान, नेपाल, स्विटजरलैंड आदि देशों के राजदूत शामिल थे। बैठक में विश्वविद्यालयी शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार, फैकल्टी-स्टूडेंट्स एक्सचेंज कार्यक्रम, कंसलटेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर हस्ताक्षर को लेकर विचार विमर्श किया गया। सीएसए कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने इस अवसर पर 15 देशों में विभिन्न क्षेत्रों में फैकल्टी-स्टूडेंट्स एक्सचेंज कार्यक्रम सहित विभिन्न डिग्री प्रोग्राम पर विस्तत चर्चा की। बैठक में संयुक्त राष्ट्र संघ जिनेवा में पदस्थापित सीएसए विवि के पूर्व छात्र डॉ.इन्द्रमणि पांडे भी शामिल थे, जिनके साथ सीएसए कुलपति ने विवि की प्रगति व अन्य क्षेत्रों पर चर्चा की। कुलपति ने उन्हें ' इलस्ट्रैटिस एल्युम्नाई ऑफ सीएसए' नामक पुस्तिका भी भेंट की।

कुलाधिपति व राज्यपाल ने विवि कुलपतियों को निर्देश दिये कि इस कार्यक्रम में पधारे सभी राजदूतों से विवि के अनुबंध पत्रों पर प्रक्रिया एवं विभिन्न क्षेत्रों के चयन हेतु वे ईमेल व मोबाइल द्वारा संपर्क बनाये रखेंगे। इससे प्रदेश के विश्वविद्यालयी उच्च शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाने में मदद मिल सकेगी। बैठक में सीएसए के प्रोफेसर डॉ.विजय सिंह यादव ने भी भाग लिया।

हिंदुस्तान 19/10/2022

सीएसए कई देशों से करेगा अनुबंध, राजदूतों से मिला

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। सीएसए विवि समेत देश के 11 कुलपतियों व 15 देशों के राजपूतों के साथ राजभवन में वार्ता हुई। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कई देशों के साथ आपसी समझौतों के बारे में चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र संघ जिनेवा में पदस्थापित डॉ. इंद्रमणि पांडे से भेंट कर इलस्ट्रेटिस एल्युमिनाई ऑफ सीएसए नामक पुस्तिका भेंट की।

राजभवन में कुलाधिपति एवं राज्यपाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें आयरलैंड, बोत्सवाना, हालैंड, कजाकिस्तान, साउथ कोरिया, न्यूजीलैंड, बहरीन, भूटान, नेपाल, स्विट्जरलैंड, साउथ कोरिया के राजदूत थे। इनके साथ विवि के शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार , फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज, कंसलटेंसी, सांस्कृतिक एवं विकास कार्यक्रमों आदि से संबंधित अनुबंध प्रपत्रों पर साइन को विचार विमर्श किया गया। सीएसए विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विजय सिंह यादव ने भी प्रतिभाग किया।